Website: https://hgbsgujarat.org

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

तंत्री एवं प्रधान संपादक
विजयकुमार छत्रपाल शर्मा (चोरीवाड-ईडर)

• Email - guj.abhgb@gmail.com
• वर्ष : 1 • अंक : 04 • 15 सितम्बर, 2023, शुक्रवार

सहतंत्री
• कमलेश शर्मा (पनवाडिया-थोलाईवाले), • रामअवतार एम.शर्मा (कुडाया), अहमदाबाद, • हितेश शर्मा, सिद्धपुर

हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा-गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष श्री रामजीलाल जोशी(खेडा) से खास बातचीत

गुजरात महासभा जल्द ही अहमदाबाद के आसपास धर्मशाला या समाज का भवन निर्माण करेगी : रामजीलाल जोशी(खेडा)

पद प्राप्ति की लालसा से गुजरात में समाज संगठन के दो हिस्से हुए, यह समाज के लिए दु:खद है लेकिन गुजरात सेवा संगठन समाजहित में महासभा के साथ मिलकर कार्य करे तो हम सभी टीम गुजरात बनकर पूर्ण क्षमता से कार्य के लिए तैयार है

01 अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण-गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष बनने के बाद प्रदेश संगठन द्वारा क्या कार्य किये गये?

जवाब : अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष बनने के बाद गुजरात समाज प्रदेश की कार्यकारिणी का गठन, शपथ ग्रहण समारोह, समाज की कार्यकारिणी की विभिन्न प्रकार की मीटिंग बुलाकर समाज कल्याण एवं समाज उत्कर्ष के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं विशेष रूप से सर्वप्रथम समाज की धर्मशाला की जमीन खरीदने एवं प्राथमिकता देने हेतु विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया गया एवं जल्द से जल्द समाज की जमीन खरीद कर धर्मशाला बने उसके लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा हैं । प्रदेश टीम ने महासभा के जयपुर में हुए विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया एवं महासभा के समूह विवाह में योगदान दिया गया।

02 क्या आपको विश्वास है कि गुजरात महासभा समाजबंधुओ के लिए धर्मशाला या छात्रावास का निर्माण करेगी?

जवाब : हां हमें संपूर्ण विश्वास है की महासभा के आशीर्वाद से गुजरात प्रदेश समाज बंधु के प्रयास एवं सहयोग से धर्मशाला एवं छात्रावास का निर्माण होगा।

03 गुजरात महासभा की प्रदेश समिति में फिलहाल कितने सदस्य हैं? और गुजरात प्रदेश में समाजबंधुओ की संख्यात्मक ताकत क्या है?

जवाब : गुजरात कार्यकारिणी समिति में फिलहाल 65 सदस्य है एवं लगभग गुजरात समाज बंधु की संख्या गुजरात में 5000 के आसपास होने की संभावना है।

04 जब समाज में किसी को सहायता दी जाती है या मदद की जाती है तो गुजरात महासभा प्रशंसा या बधाई देने में पीछे क्यों रहती है?

जवाब : मेरे ख्याल से यह कहना गलत होगा, गुजरात प्रदेश महासभा के सदस्य सहायता देने में सदैव अग्रसर रहते आए हैं और रहेंगे एवं समाज का अच्छा कार्य होता है तो उसमें प्रशंसा एवं बधाई अवश्य दी जाती है। भूतकाल में हुए समाज के समूह विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों में सभी समाज बंधुओ ने मिलकर अपना अपना योगदान दिया है उस बात को भी ध्यान में रखा जाए एवं राजस्थान एवं अन्य प्रदेश से भी अगर कोई समाज बंधु किसी प्रकार का समाज कल्याण एवं समाज के कार्यों के लिए योगदान लेने आते हैं तो उसमें भी हम सदैव अग्रेसर रहते हैं । समाज एक है और एक ही रहेगा और एकता अखंडता पर जोर दिया जाएगा।

05 गुजरात में दो संगठन हैं. आपको पता है गुजरात सेवा संगठन अधिक सक्रिय नजर आ रहा है. आप इस बारे में क्या कहते हैं?

जवाब : सबसे पहले तो मैं यह कहूंगा कि आज तक महासभा के माध्यम से गुजरात में जितने भी अध्यक्ष बने गुजरात के सभी समाज बंधुओ ने एकता एवं अखंडता दिखाते हुए गुजरात प्रदेश अध्यक्ष एवं उसके कार्यों को सदैव महत्व दिया है। मगर आज दुख की बात यह है कि सिर्फ कुछ समाज बंधुओ को पद प्राप्ति न होने की वजह से गुजरात समाज सेवा संगठन महासभा से अलग होकर अपना कार्य कर रहा है एवं महासभा की बॉडी को मानता नहीं है । यह बेहद दुख की बात है । कुछ लोग समाज के दो हिस्से करना चाहते थे और उसमें कामयाब हो गए । जिसका भुगतान आने वाले समय में समाज बंधुओ को ही भुगतना पड़ेगा। हालाकि हम कभी ऐसा नही चाहते थे। गुजरात सेवा संगठन महासभा के बैनर के नीचे एक होकर अगर मिलझुलकर काम करते तो बात कुछ और ही होती क्योंकि हमारी महासभा हमारे समाज की सर्व सम्माननीय बॉडी है। हम गुजरात सेवा संगठन के समाज उपयुक्त कार्यो की प्रशंसा करते है, गुजरात सेवा संगठन जो सक्रियता से कार्य कर रहा है वह प्रशंसनीय है एवं समाज कल्याण के कार्य सदैव करते रहे यही हमारा पर आशीर्वाद है।

06 गुजरात में समाज को एकजुट करने और भाईचारा व प्रेम बढ़ाने के लिए आपके द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

जवाब : मैंने पहले ही कहा , वही बात फिर से दोहरा रहा हूं की गुजरात में समाज की एकजुटता एवं भाईचारा प्रेमभाव पहले की तरह बढाने के लिए गुजरात सेवा संगठन को महासभा के बैनर के नीचे एक होकर कार्य करना होगा । तभी समाज की एकता एवं अखंडता बनी रहेगी । इसके लिए कई बार विभिन्न समाज बंधुओ से चर्चा भी हुई है मगर कुछ लोग समाज को एक होते नहीं देख सकते इसलिए गुजरात समाज के दो हिस्से देख रहे हैं । गुजरात सेवा संगठन के सदस्य महासभा की बॉडी में शामिल होना नहीं चाहते हैं । अगर सेवा संगठन महासभा की बॉडी में शामिल हो जाए तो शीघ्र ही समाज एक हो जाएगा।

07 अ.भा.ह.गौ.ब्राह्मण राष्ट्रीय महासभा की ओर से गुजरात टीम को क्या आदेश और निर्देश दिए गए हैं?

जवाब : अखिल भारतीय हरियाणा गॉड ब्राह्मण महासभा की तरफ से गुजरात टीम को प्रगति के लिए आगे बढ़ाने के लिए धर्मशाला एवं हॉस्टल का निर्माण करने एवं समाज कल्याण समाज उत्कर्ष एवं एकता अखंडता के लिए के लिए नित्य विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

08 क्या आप मानते हैं कि गुजरात में दो टीमें होने से प्रदेश महासभा टीम कमजोर हो रही है?

जवाब : परिवार हो यह समाज हो या देश हो अगर एकता अखंडता नहीं रहेगी तो परिवार भी कमजोर होगा समाज भी कमजोर होगा एवं देश भी कमजोर होगा।

09 गुजरात के दोनों संगठनों को एकजुट होकर एक साथ काम करने का आपके पास क्या कारगर फॉर्मूला है?

जवाब : गुजरात के दोनों संगठन को एक जूट होकर समाज को आगे बढाना है तो सिंपल और सीधा फार्मूला यह है कि महासभा का जो भी कार्यकाल है उस कार्यकाल के अनुसार गुजरात सेवा संगठन महासभा के द्वारा बनाई गई गुजरात प्रदेश की बॉडी को सपोर्ट करें एवं उसमें शामिल हो जाए क्योंकि आज तक गुजरात प्रदेश समाज बंधुओ ने महासभा की बॉडी को सदैव समर्थन दिया है एवं गुजरात सेवा संगठन के सदस्यों को उनके मान सम्मान के अनुसार पद दिए जाएंगे एवं समाज के विभिन्न कार्यों को एक ही बैनर एक ही छत्रछाया के नीचे एकता एवं अखंडता के साथ आगे बढाया जा सकता है । आगे के लिए जो भी फार्मूला हमको बनाना है वह फार्मूला तभी बन सकता है जब दोनों बॉडी एक होकर आगे बढेगी एवं कार्य करने की शपथ लेगी।

10 गुजरात समाज में क्या होना चाहिए? जो अब तक नहीं हुआ है और ऐसा गुजरात महासभा करेगी?

जवाब : गुजरात समाज में होने के लिए बहुत सारे महत्वपूर्ण कार्य है मगर यह सभी महत्वपूर्ण कार्य तभी संभव है जब समाज में एकता और अखंडता कायम हो । जैसे की समाज के लिए धर्मशाला एवं हॉस्टल के लिए जमीन खरीदना, निर्माण करना, समाज की जनगणना सर्वसम्मति से करना, समाज का डाटा कंप्यूटर पर चढ़ना, समाज की वेबसाइट बनाना, समाज का हर डाटा कंप्यूटर पर उपलब्ध रहे, समाज के विभिन्न सामाजिक कार्य करना, समाज में लड़के लड़कियों के मिलन समारोह एवं परिचय मिलन समारोह जैसे कार्यक्रम करना, दहेज प्रथा को कम करना, आर्थिक कमजोर परिवार को आर्थिक सहाय देना, समाज के युवाओं सरकारी एवं एमएलसी कंपनियों में नौकरी एवं तरक्की को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा देना, सहायता करना, समाज की कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाना जैसे बहुत महत्वपूर्ण कार्य है मगर यह सभी कार्य तभी संभव है जब हम सब एक हो और एकता अखंडता के साथ कार्य करें बाकी अलग अलग होकर काम करने से समाज का विकास जैसा चाहिए वैसा कभी नहीं होगा। हम तो अपने प्रयास करेंगे मगर सब साथ में मिलकर करेंगे तो सफलता शीघ्रता से मिलती है यह परम सत्य है।

11 समाजबंधुओ का विश्वास ही नेतृत्व की सफलता को दर्शाता है। प्रदेश का शीर्ष नेतृत्व गुजरात के समाजबंधुओं के बीच क्यों नहीं जाते? यात्राएं क्यों नहीं करते? लोगों का भरोसा क्यों नहीं जीतते?

जवाब : समाज बंधुओ का विश्वास ही नेतृत्व की सफलता दर्शाता है यह परम सत्य है और इसके लिए हम नित्य समाज बंधुओ से मिलते रहते हैं एवं फोन के माध्यम से भी चर्चा विचारणा होती रहती है। घर हो या परिवार हो या देश हो एक ही मुखिया अगर रहेगा तो घर, परिवार और देश सबका विकास होगा सफलता मिलेगी और आगे बढ़ेंगे और इसका मंत्र एक ही है एकता और अखंडता और सब को साथ मिलकर काम करना बाकी अलग-अलग रास्ते से जैसा विकास हमको चाहिए ऐसा विकास न समाज का होगा ना समाज बंधुओ का होगा

12 क्या रामजीलाल शर्मा और संजयभाई पंडित दोनों ढाई-ढाई साल तक समाज का नेतृत्व नहीं कर सकते? दोनों की जिद के कारण अंततः समाज को ही नुकसान हो रहा है। आप दोनो सन्माननीय सदस्य इस बात को क्यों नहीं समझते?

जवाब : सर्वप्रथम बात तो यह है कि लगभग दो साल जैसा समय निकल चुका है या निकलने वाला है इस परिस्थिति में अब ढाई ढाई साल का कोई मतलब नहीं रहता इससे पहले भी कभी ढाई ढाई साल की बात नहीं हुई एवं सभी समाज बंधुओ ने महासभा के निर्णय का सम्मान किया है । भूतकाल में भी महासभा ने कोई सर्व सामान्य बैठक नहीं की एवं ना ही कोई फंक्शन करके समाज अध्यक्ष बनाया था और जो भी समाज अध्यक्ष बना उसे समाज बंधुओ ने संपूर्ण साथ दिया था तो अभी 5 साल के लिए गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री रामजीलाल भाई को साथ दिया जाए एवं अगली बार 5 साल के लिए जो भी अध्यक्ष बनेगा उसको भी सभी समाज बंधु साथ देंगे क्योंकि भारत में ढाई ढाई साल की सरकारें नहीं चल सकी तो समाज कैसे चलेगा ना समाज का विकास होगा ना समाज बंधुओ का विकास होगा। इसीलिए अभी महासभा एवं महासभा के द्वारा बनाए गए गुजरात प्रदेश अध्यक्ष को साथ दिया जाए एवं आगे भी सभी समाज बंधु एक दूसरे को साथ देंगे और देते रहेंगे यह मुझे संपूर्ण विश्वास है।

13 राष्ट्रीय महासभा के अध्यक्ष बिरधीचंदजी का गुजरात दौरा अब कब होगा? चर्चा है कि राष्ट्रीय महासभा गुजरात के समाजबंधुओ को तबज्जो नही दे रही..क्या यह सही है..?

जवाब : हाल की परिस्थिति में मुझे ज्ञात है तब तक राष्ट्रीय महासभा के अध्यक्ष श्री बिरधीचंद जी का कोई गुजरात दौरे का प्रोग्राम नहीं है मगर प्रोग्राम करके एवं मैसेज देकर उनको बुलाया जा सकता है। यह बात गलत है कि राष्ट्रीय महासभा गुजरात समाज बंधुओ को तबज्जो नहीं देती। राष्ट्रीय महासभा सभी प्रदेशवासियों को उतना ही मान सम्मान एवं तबज्जो देती है जितना राजस्थान में रहने वाले समाज बंधुओ को दिया जाता है उसके कार्य प्रणाली पर शक करने का कोई मतलब नहीं है । कुछ असंतुष्ट समाज बंधु महासभा के विपरीत बातें करके असंतोष फैला रहे हैं जो समाज हित में नहीं है। महासभा सदैव समाज बंधुओ के प्रति अपना दायित्व निभाती आई है एवं निभाती रहेगी।

14 गुजरात सेवा संगठन की बनासकांठा-पाटण-महेसाणा जिला इकाई फरवरी 2024 में समूह विवाह आयोजित करेंगी. क्या गुजरात महासभा इस आयोजन में सहयोग करेंगी? समाजकार्य का दायित्व निभायेगी?

जवाब : सबसे पहले तो हम को यह जानकर खुशी हुई की गुजरात सेवा संगठन फरवरी 2024 में समूह विवाह का आयोजन करने जा रही है उसके लिए उनको बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं गुजरात में महासभा इस आयोजन में सहयोग अवश्य करेगी एवं अपना दायित्व निभाएगी ।

15 गुजरात के सभी समाजबंधुओ के लिए प्रदेश महासभा की तरफ से आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

जवाब : गुजरात के सभी समाज बंधुओ के लिए मेरा संदेश यही है कि हम सभी समाज बंधुओ को एकता एवं अखंडता के साथ में एक होकर आगे बढना चाहिए यही समाज हित में है । जैसे नदिया अलग-अलग बहती है मगर आखिर में वह समुद्र में विलीन हो जाती है इसी तरह हम सबको नदियों की तरह अलग-अलग नहीं बहकर एक विशाल समुद्र बनना है जिसमें सभी समाज बंधु नदीयो की भांति समा जाये।

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज के कई गौत्र में कुलदेवी के रुप में पूजी जाती है बाँकी माता

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज में कुलदेवीयो की पूजा बेहद खास मानी जाती है। माना जाता है कि पूजा करने से न सिर्फ मन को शांति मिलती है बल्कि घर का माहौल भी अच्छा रहता है। क्या आप जानते हैं कि आपको अपने इष्टदेव को याद करने के अलावा अपने कुल देवता की भी पूजा करनी चाहिए। कुल देवता और कुल देवी की पूजा करने से घर में शांति का वातावरण बना रहता है। आज मैं आपके साथ हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के कुछ गौत्रों में कुलदेवी के रूप में पूजी जाने वाली बाँकी माता के मंदिर और उसके बारे में कुछ जानकारी आपके साथ साझा करूँगा।

बाँकी माता का मंदिर जयपुर (राजस्थान) जिले के रायसर गाँव मे स्थित है । यह गांव जमवारामगढ तहसील में आता है । जमवारामगढ से आंधी जाने वाले रास्ते पर यह मंदिर स्थित है। रायसर गाँव के देवीतला नामक स्थान पर बाँकी माता का यह प्राचीन मंदिर है । बाँकी माता का मंदिर ऊंची पहाड़ी पर स्थित है । मंदिर पहुँचने के लिए सड़क मार्ग उपलब्ध है । जयपुर से मंदिर की दूरी लगभग 60 किलो मीटर है । यहां के रास्ते के मनोरम दृश्य मन में सुकून पैदा करते हैं । जयपुर से दौसा-शाहपुरा हाई वे से भी यहाँ पहुँचा जा सकता है । बाँकी माता को मीणा समाज के कई गोत्रों द्वारा कुल देवी माना जाता है । मंदिर की स्थापना समय से ही मीणा समुदाय के लोग ही माता जी की पुजा एवं आरती करते है। हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज में गील, गोगोरिया, गोदावस्या, झाडोल्या, ढाचोळ्या, मटल्या एवं मैथिला गौत्र की कुलदेवी बाँकी माता बताई गई है. हालाकि हम इसकी पुष्टि नही करते. सरसणा माताजी(बाँकी माता) के प्रकट होते समय बाधा आ गई थी, इसलिए (स्ष्ठ) बाँकी माता के नाम से भी प्रसिद्ध है।

कहा जाता है कि यह बाँकी माता का मंदिर लगभग 1300 वर्ष पुराना है । ऊंची पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुँचने के लिए लगभग 750 सीढ़ी बनी हुई है । कुछ समय पहले यात्रियों की सुविधा हेतु रेम्प का निर्माण भी किया गया है । सीढ़ी वाले रास्ते पर भैरव केसरी सिंह जी तथा पृथ्वी सिंह जी के मंदिर हैं । इनके दर्शन करना जरूरी माना जाता है । यहाँ दर्शन करने के बाद यात्री बाँकी माता के दर्शन के लिए जाते हैं । माता के दर्शन और ऊंचाई से दिखने वाले दृश्य मन को गदगद कर देते हैं । चढाई की सारी थकान मिट जाती है । बांकी माता के मंदिर में कांच की सुंदर कारीगरी की हुई है । बांकी माता के मंदिर की परिक्रमा वाले रास्ते को सुंदर चित्रों से सजाया गया है । माँ जगदंबा के कई स्वरूप के चित्र दीवार पर बने हुए हैं । होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर बाँकी माता के दर्शन हेतु अत्याधिक लोग दर्शन करने आते हैं । गुजरात से हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज के कई परिवार बाँकी माता को कुलदेवी के स्वरूप में पूजा करने और ढोक देने के लिए यहां आते है।

बाँकी माता का प्राकट्य कैसे हुआ?

कहा जाता है कि रायसर गांव के सोगन गोत्र के मीणा परिवार में एक भांगी भगत रहता था। एक बार भांगी भगत पशुओ चराने के लिए गया तो वहीं एक पहाडी पर एक दिन दिव्या प्रकाश होता है..जहाँ से उसे दिव्य शक्ति दिखाई देने का आभास होता है...आकाशवाणी होती है..हे वत्स. में शक्ति का अंश हू, भक्तो के उद्धार के लिए यहां प्रकट हो रही हूं. मेरे प्राकट्य लेने पर तुम मेरी सेवा के अधिकारी होंगे, और जो भी भक्त भक्ति भाव से मेरी आराधना करेगा उसकी सारी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होगी. कुछ देर बाद वहाँ घना अंधकार छा गया , तेज बारिस होने लगी और तूफान के बीच दिव्य प्रकाश दिखा और रथ पर सवार माता प्रकट होने लगी. अभी रथ का सुगन्या ही प्रकट हो पाया था कि भांगी भगत सबकुछ देखकर गभराया और चिल्लाने लगा. इससे माताजी नाराज हो गई और चट्टान में उतने ही प्राकट्य रूप में रह गई. बाद में भांगी भगतने माँ से क्षमा मांगकर गांववालो को सारी बात बताई। उसके बाद कहा जाता है कि गाँव का एक जमींदार , माता के महिमा को नहीं मानता था। दूसरे लोगों को भी ऐसा ही बर्ताव करने के लिए कष्ट देता था। कुछ समय बाद एक दिन जमींदार का मुँह बांका यानि टेढा हो गया । काफी जगह इलाज करवाने के बाद भी वह ठीक नहीं हुआ। किसी ने उसे माता के दर्शन करके क्षमा याचना करने की सलाह दी। उसने ऐसा ही किया और बाँकी माता के मंदिर में आकर शीश नवाया। इसके बाद वो ठीक हो गया । कहा जाता है कि तब से इस मंदिर का नाम बाँकी माता का मंदिर पड़ा। माता के मंदिर से 1 km की दूरी पर शमशान में मुसाणया वाले भैरूँ जी का मंदिर स्थित है। मनोकामना पूर्ति के लिए यात्री यहाँ के दर्शन के लाभ उठाते हैं । यहाँ फाल्गुन महीने की अष्टमी तिथि पर मेला भरता है । मेले में लाखों लोग दूर दूर से आते हैं । मुसानिया भैरूँ जी को बाटी , पतासे , लौंग जोड़े आदि का भोग विशेष रूप से चढाया जाता है । भैरूँ जी के दर्शन के बाद दर्शनार्थी वहाँ स्थित गौरी जी और शिव मंदिर के दर्शन भी करते हैं । गौरतलब है कि रायसर में पहाड़ी पर स्थित बांकी माता मंदिर हर वर्ष फाल्गुन माह की अष्टमी को लक्खी मेले का आयोजन होता है. पांच दिवसीय मेले के दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, यूपी, एमपी सहित प्रदेशों से व राजस्थान के कोने कोने से लाखों श्रद्धालु माता के दरबार में आते है. इसके अलावा नवरात्र और अन्य दिनों में भी माता के मंदिर में श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।

श्रद्धालुओं को मिलेगी रोप वे की सौगात, नहीं चढ़नी होंगी बांकी माता मंदिर की 750 सीढ़ियां

बाँकी माता मंदिर समिति के अध्यक्ष सीताराम मीणाने बताया कि अगले दो साल में रोपवे सेवा का काम भी पूरा हो जाएगा. यानी साल 2026 में भक्तों के लिए बांकी माता मंदिर में बिना सीढ़ियां चढ़े दर्शन करना और भी सुलभ और आसान हो जाएगा. जो फिलहाल प्रगति पर है. जानकारी के अनुसार, पहाड़ी स्थित बांकी माता के मंदिर में जाने के लिए श्रद्धालुओं को 750 सीढ़ियां चढनी पड़ती हैं। इस दौरान वृद्धजन श्रद्धालुओं को अधिकारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंदिर तक रोप वे का निर्माण होने के बाद श्रद्धालुओं को कम समय में सुगमता से दर्शन हो सकेंगे।

बाँकी माता मंदिर का रिनोवेशन प्रगति पर, कुल 3.5 करोड का है प्रोजेक्ट

बाँकी माता मंदिर द्वारा इन दिनों जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। मंदिर समिति के माध्यम से कई भामाशाहों से दान आ रहा है। जिसका निर्माण कार्य चल रहा है। जो मार्च 2024 तक पूरा होने की संभावना है । बाँकी माता मंदिर समिति के अध्यक्ष सीताराम मीणाने बताया कि मंदिर निर्माण के प्रोजेक्ट की कुल लागत 3.5 करोड के आसपास हो रही। मंदिर का शिखर बेहद खास होनेवाला है.क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर के लिए जो पत्थर राजस्थान से लिए गए हैं उनका इस्तेमाल बांकी माता मंदिर के शिखर में किया जाएगा। इस खास शिखर के लिए कम से कम एक करोड़ रुपये खर्च होने वाले हैं। जो इस मंदिर का एक खास आकर्षण भी होगा।

शिखर होगा बेहद खास, जाने क्या हैं पत्थरों की विशेषताएँ?

भरतपुर के स्दावल क्षेत्र के बंशी पहाड़पुर के सफेद पत्थर को एक बार देश के महत्वपूर्ण एवं जन-जन की आस्था के केंद्र अयोध्या स्थित बनने वाले राम मंदिर निर्माण में उपयोग हो रहा है, वही पथ्थर बाँकी माता मंदिर के शिखर के लिए भी लाया जा रहा है..भरतपुर जिले के बंशी पहाड़पुर स्थित खदानों के पत्थर को पसंद किए जाने का कारण जाना तो पता चला कि यहां का पत्थर एक विशेष किस्म का है. यहीं कारण है कि देश में दिल्ली का सर्वोच्च न्यायालय, राष्ट्रपति भवन, लालकिला, अक्षरधाम मंदिर सहित प्राचीन भवन, फतेहपुर सीकरी का बुलन्द दरवाजा, आगरा का भरतपुर के गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर और जामा मस्जिद, जयपुर का विधानसभा भवन सहित विदेशों में अनेक विशाल मंदिर निर्माण में इसी पत्थर को लगाया गया है. यह पत्थर अधिक समय तक टिकाऊ है. वहीं इस पत्थर के अलावा बेहतर तरीके की गढ़ाई और नक्काशी किसी दूसरे पत्थर से भी कम नहीं है. इस पत्थर में न तो सीलन आती है और न ही यह चटकता है. इसी को आधार बनाकर इस पत्थर का चयन राम मंदिर के लिए किया गया.

हर साल लाखों श्रद्धालु झुकाते हैं शीश

बाँकी माता के मंदिर में माथा टेकने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु वर्ष भर आते रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक साल भर में 15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाँकी माता के दर्शन के लिए आते हैं। होली के त्योहार पर लगने वाले लक्खी मेले में भक्तों की सबसे ज्यादा भीड़ होती है. यह लक्की मेला 10 दिनों तक चलता है। इस लक्की मेले में 10 दिनों में 10 लाख से अधिक भक्त माताजी के मंदिर में आते हैं और दर्शन पाकर खुद को धन्य महसूस करते हैं। उसके बाद चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र में भी हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं। बाँकी माता के दर्शन करने आने वाले भक्त अपनी आस्था के अनुसार प्रसाद चढाते हैं। भक्तों द्वारा बाँकी माता को हलवा प्रसाद, खीर-पुरी और चूरमे का प्रसाद चढाया जाता है।

समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध

दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर समिति की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है. इसमें 22 कमरों वाली एक सराय भी है। जहां 500 रुपए में नॉन एसी रूम उपलब्ध है। जब आपको 1100 रुपये में एसी रूम मिलता है. इसके अलावा 8 कमरों की अलग से व्यवस्था भी की गई है. जहां यात्री ठहर सकेंगे. इसका प्रबंधन मंदिर समिति द्वारा किया जाता है। बाँकी माता मंदिर समिति में कुल 13 सदस्य वर्तमान में मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जिसमें अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित सदस्यों की एक टीम प्रशासन करती है। समिति में ज्यादातर लोग मीणा समुदाय से हैं.

क्या आप कुल देवी और कुल देवता के महत्व के बारे में जानते हैं?

अगर हमारे जीवन में सब कुछ शांति से शुभ चल रहा है तो समझ लीजिए कि यह सब आपके देवी-देवता के आशीर्वाद से हो रहा है। लेकिन आज का युवा भगवान को भूल जाता है। लेकिन उनके आशीर्वाद से आपके वंश की उन्नति हो रही है। इसलिए उन्हें भूलना नहीं चाहिए। हमारे पूर्वज कुल देवी और कुल देवता से प्रार्थना करते हुए हमारे लिए प्रार्थना करते थे, वह कहते थे कि 'मेरे बच्चों की रक्षा करो, बच्चे छोटे हैं, उन्हें खुशी और सुख प्रदान करो, वे जीवन में हंमेशा समृद्ध हों, और हमारे कुल को बचाएं, हमारे बच्चों को शक्ति दें। ' ऐसी दुआओं से हमारे माता-पिता ने अपने बच्चों को पाला है। और ये बच्चे जो बड़े हो गए हैं यानि आज के युवा और बच्चों को भी भगवान का ऋण अदा करना चाहिए। अगर आपको कुलदेवी के बारे में नही पता तो उसके लिए जानकारी जुटाने के प्रयास अवश्य करने चाहिए।

माता-पिता और बच्चों को पूरे परिवार के साथ वर्ष में कम से कम दो बार अपनी कुल देवी और कुल देवता के दर्शन करने अवश्य जाना चाहिए। इससे आपको लगने लगेगा कि साल भर की थकान दूर हो गई है। आपके जीवन में समृद्धि बनी रहेगी। हमारे कुल देवी-कुल देवता केवल भक्तों के भाव के भूखे हैं, यदि आप उन पर विश्वास करते हैं, तो अच्छा है, और यदि आप नहीं करते हैं, तो भी आपका कोई नुकसान नहीं होता है। जो भगवान महाभारत के युद्ध में अर्जुन का सारथी बन सकते हैं, जो भगवान द्वारका से अपने भक्त के लिए आ सकते हैं, वे भगवान आपको जीवन की कठिनाइयों से भी बचाएंगे और एक मार्गदर्शक के रूप में आपकी रक्षा करेंगे। वही प्रभु आपको गलत निर्णय लेने से रोकेंगे और सही निर्णय की ओर आपका मार्गदर्शन करेगे। लोग तर्क देते हैं कि सब कुछ किस्मत से होता है। तो जब व्यक्ति बीमार होता है तो अस्पताल क्यों ले जाया जाता है? सब कुछ किस्मत पर छोड़ दो...लेकिन यह भगवान की कृपा है कि आपको कई दुखों और पीड़ाओं का एहसास भी नहीं होता है। जब कोई बड़ी आपदा आती है तब भी हम मदद के लिए भगवान को याद करते हैं। हम आशा रखते है कि इस लेख के माध्यम से आपको काफी रोचक जानकारीयां मिली होगी। आपके और आपके परिवारजनो पर कुलदेवी और कुलदेवता की कृपा सदैव बनी रहे। जय माता दी

(अगर आपके पास अपनी कुलदेवीओ या कुलदेवताओ के बारे में सही जानकारी हो तो हमे जरूर ई-मेईल पर फोटो के साथ भेजे - guj.abhgb@gmail.com)

रायसर की बाँकी माता

पहाड़ की चोटी पर बिराजित है

बाँकी माता का मंदिर

भक्तिरस
पंकज शर्मा

वडोदरा महिला समिति आयोजित हरियाली तीज पर्व कार्यक्रम के छायाचित्र

वडोदरा शहर के फुलद्वार फार्म पर हरियाली तीज का पर्व

पिकनिक डे का तरह मनाया गया

मेहंदी से सजे हाथ, सुहागनों की खनकती चूड़ियों और घेवर की मिठास, ये है हरियाली तीज का त्यौहार...

रिपोर्ट कल्पना शर्मा, वडोदरा : वडोदरा महिला समिति द्वारा हरियाली तीज पर्व धूमधाम से मनाया गया.. 19 अगस्त 2023 को शहर भर से महिलाएं वडोदरा के फुलद्वार फार्म में एकत्र हुईं। यहां उन्होंने एक दिवसीय पिकनिक की तरह पर्व का लुत्फ उठाया. समिति की महिलाओं ने हरे रंग की थीम रखी। उत्सव के दौरान, सभी उम्र की महिलाओं ने गरबा, नृत्य, खेल, तैराकी, एडवेन्चर राईड्स सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें विजेताओं को उपहार देकर प्रोत्साहित भी किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वडोदरा के हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने कड़ी मेहनत की ।

इस दिन समाज की महिलाओने ग्रीन कलर की थीम रखी, कार्यक्रम स्थल पर गेम , गरबा , नृत्य ,स्विमिंग,एडवेंचर राइड्स आदि का लुफ्त उठाया

मदहोश कर देती है, हरियाली तीज की बहार, गाता है ये दिल झूम कर, जब झूलूं मैं सखियों के साथ

अहमदाबाद महिला समिति की ओर से हरियाली तीज पर्व धूमधाम से मनाया गया

वर्ल्ड फेमस है जयपुर की तीज

हरियाली तीज का त्यौहार महिलाओं के प्रमुख त्यौहार में से एक है. इस त्यौहार को जयपुर में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है. जयपुर की तीज पूरी दुनिया भर में फेमस है. यहां तीज की सवारी देखने लोग दूर-दूर से जयपुर आते हैं. इसलिए यहां महिलाएं तीज के हिसाब से ही पोशाक पहनती हैं और फिर तीज माता की पूजा करती हैं. जयपुर के बाजारों में हरियाली तीज के कपड़ों के साथ साथ हरियाली तीज से संबंधित सुंदर मेहंदी, घेवर मिठाई की भी खूब बिक्री होती है. बाजारों में लहरिया की साडियां सबसे ज्यादा चलन में देखने को मिलती है. इसके इस बार मशहूर बानी साड़ियां, डाई साड़ी, गोटेदार ओढनी, सांगानेरी प्रिंट से लेकर बाटिक प्रिंट,फेमस, चुनरिया, ओढनी हरियाली तीज पर सबसे ज्यादा ट्रेंड में रही हैं.

20 अगस्त 2023 रविवार के दिन अहमदाबाद महिला समिति द्वारा हरियाली तीज का पर्व मनाया गया, मणिनगर के उत्तम नगर गार्डन में सभी महिलाओने मिलझुलकर हरियाली तीज के झूलो का आनंद लिया, इस दौरान अंताक्षरी गेम और ढोलक के ताल पर डान्स करके इस पर्व को यादगार बनाया, आनेवाले दिनो में महिला कार्यक्रमो को लेकर विस्तृत चर्चा भी की.हिंदू पंचांग के अनुसार हरियाली तीज प्रत्येक साल सावन माह की तृतीया तिथि को मनाई जाती है. इस साल 19 अगस्त को हरियाली तीज का व्रत रखा गया. हरियाली तीज सुहागिनों के लिए खासा महत्वपूर्ण पर्व है. इस पर्व में महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए भगवान शिव और माता पर्वती की पूजा करती हैं. साथ ही कुंवारी कन्या भी मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं. धार्मिक मान्यताओ के अनुसार, इस दिन पूजा-पाठ के बाद जो व्रती दान करती हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है. ऐसा भी माना जाता है कि मां पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मां पार्वती से विवाह किया.इस लिए हरियाली तीज का दिन बेहद खास होता है.

ज्योतिष के मुताबिक इस पर्व पर पूरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है. रात में जागरण कर कथा श्रवण करने की भी परंपरा है. साथ ही बताया कि इस दिन पूजा के बाद दान करने का भी विधान है. इससे व्रती की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. अखंड सौभाग्य का फल मिलता है और वैवाहिक जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहता है. ज्योतिष अनुसार हरियाली तीज की पूजा के दौरान माता पार्वती को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करना होता है. फिर उसे उठाकर किसी ब्राह्मण को दान दिया जाता है. साथ ही माता पार्वती के ऊपर चढ़ाया सिंदूर अपनी मांग में लगाया जाता है. इससे अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद मिलता है. इस दिन पूजा करने के बाद अन्न जैसे चावल, गेहूं, उड़द दाल इत्यादि गरीब या ब्राह्मण को दान करने का भी विधान है.

वित्तीय शिक्षा

(फाइनेंसिअल एजुकेशन) का महत्वपूर्ण सुझाव

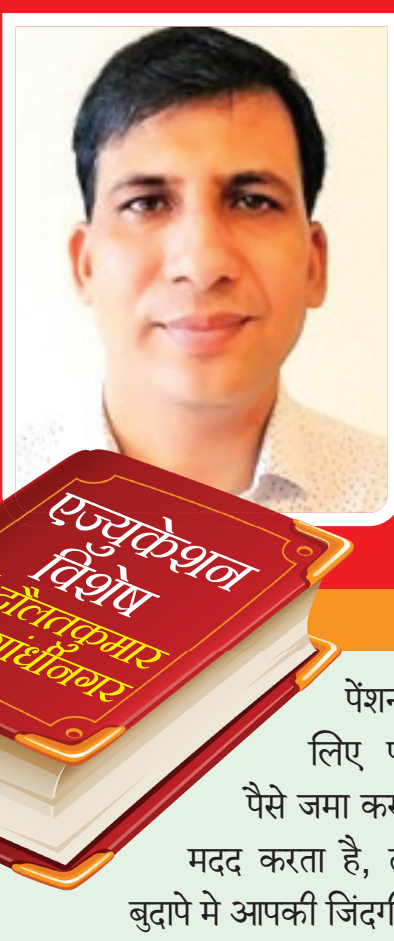

फाइनेंसिअल एजुकेशन का अर्थ है - धन के सही ढंग से उपयोग को समझना, जिससे हम अपने "धन" का सही प्रबंधन करते हुए, अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बना सकें।

वित्तीय शिक्षा(फाइनेंसिअल एजुकेशन) का अर्थ है - धन के सही ढंग से उपयोग को समझना, जिससे हम अपने "धन" का सही प्रबंधन करते हुए, अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बना सकें। यह वह कौशल व ज्ञान है जिनके बल पर हम सोच-समझकर प्रभावशाली वित्तीय निर्णय ले पाते है। वित्तीय शिक्षाबडो और छोटो सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह हमे जालसाजों के जाल में फंसने व गलत वित्तीय फैसलों लेने से बचाती हैं। यह जिम्मेदारी लेना, समय पर निवेश करना व बिलों का भुगतान करना सिखाती है। यह पैसे के साथ जुआ खेलने से बचाती है।

इसके कुछ महत्वपुर्ण मुद्दे इस् प्रकार है

अपने बजट का प्रबंधन करना सीखें। अपना मासिक व वार्षिक बजट बनाये। बजट में, आपको आय, निश्चित व्यय, विवेकाधीन व्यय (जैसे बाहर खाना, यात्रा करना और खरीदारी करना), भविष्य के लक्ष्य, बचत और निवेश को शामिल करना आवश्यक है। अपने खर्च वकमाई की प्लानिंग करे तथा खर्चों पर नियंत्रण रखें। पैसों का सही हिसाब रखे व उचित खर्च करे, अपने मासिक व्यय की सूची बनाये। आप एक डायरी मे पूरे महीने की आय, खर्च व बचत लिखें। आप के पास कितने पैसे हैं व उसमे से कितने पैसे इस महीने खर्च कर सकते हैं। ध्यान रखे, इस महीने का बजट कितना है और इस बजट के अंदर ही खर्च करना है।अपने कुल खर्च के बारे में ध्यान रखे व खर्चे की प्राथमिकता तय करे; जरूरत और इच्छा में फर्क सीखे। जब भी हम यह समझ जाएंगे कि हमें किस चीज की जरूर है और क्या चाहते हैं तब हम बेहद आसानी से और सही वित्तीय निर्णय ले पांएगे। एक परिवार में होने के नाते आप अपने कुछ पैसे जरूरतों जैसे कि भोजन, मकान या दुकान के किराये और दवाइयों पर खर्च करते हैं, जबकि कुछ खर्च हम अपनी पसंद या इच्छा जैसे कि खिलौनों, सुंदर कपड़ों-गहनों और घूमने-फिरने पर भी करते हैं, जो हमेशा ही हमारी जरूरत के बाद ही आएंगे। अपना शॉर्ट-टर्म (एक वर्ष के लिए) और लॉन्ग-टर्म लक्ष्य निर्धारित करे। अपने बजट मे देखें कि आप किस चीज़ पर पैसा खर्च करते हैं। बजट बनाने के मुफ़्त टेम्प्लेट Google ऐप स्टोर पर तुरंत पाए जा सकते हैं।फिर जो प्लान तैयार होता है उसे आप ट्रैक करें कि आप कितनी अच्छी तरह उस प्लान पर कायम रहते हैं। आप जान पायेंगे कि आप कहाँ बचत कर सकते हैं, कहाँ आपको कम पैसा खर्च करना होगा, पैसे बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका क्या है। इस तरह आप खुद की वित्तीय स्थिति को सुधार सकते है। जो पैसे का प्रबंधन करना नहीं जानता है, वह पैसा बेकार की चीज़ों पर खर्च कर देता है और बाद में जरूरी खर्चो के लिये परेशान होता है।

यह समझना कि जरूरत है, की पैसा कैसे काम करता हैवपैसेकैसे बढ़ते हैं । अपना बचत खाता खोलें, यह निवेश की दिशा में पहला कदम है। इस पर फिक्स डिपाजिट की तुलना में दर कम होती है, लेकिन आप किसी भी समय पैसे निकाल सकते हैं। इससे आपको बचत का स्वाद मिलेगा और आप निवेश करना शुरू कर सकेंगे, बहुत ज्यादा नही पर यह पैसा कमा कर देता है।अपने भविष्य में निवेश करें, एक व्यक्तिगत सेवानिवृत्ति खाता शुरू करने, संपत्ति बनाने और निश्चित आय के लिये निवेश पोर्टफोलियो पर विचार करें। यदि आवश्यक हो तो विशेषज्ञ सलाहकारों के वित्तीय मार्गदर्शन प्राप्त करें।पहले भविष्य की योजना / आवश्यकताओ के अनुसार निवेश का लक्ष्य तैयार करे, व हर महीने की आय मे से निवेश योगदान के बाद ही खर्च करे। आप स्टॉक, म्युचुअल फन्ड, एसआइपी, बॉन्ड आदि मे निवेश कर सकते हैं। आप अपने पोर्टफोलियो को संतुलित रखने की कोशिश करे। निवेश आपको पेंशन के लिए पर्याप्त पैसे जमा करने में मदद करता है, ताकि बुदापे मे आपकी जिंदगी की क्वालिटी में बदलाव न हो।बचत व निवेश के साथ संयम भी जरूरी है। वित्तीय शिक्षा का सबसे पहला नियम है बचत, निवेशऔर संयम। आप निरंतर अपने पैसों को जोडे और किसी भी चीज को खरीदने से पहले पर्याप्त पैसों के जुड़ने का इंतजार करे।

बच्चों को भी सिखाएं बचत और पैसों के बारे में जरूरी बातें। जैसे समय से पहले ही हम अपने बच्चों की स्कूली शिक्षा और कॉलेज की पढ़ाई के बारे में सोचते हैं, ठीक वैसे ही हमें बच्चों को सही समय पर वित्तीय शिक्षा भी देनी चाहिए। ज्यादातर मामलों में बच्चों को वित्तीय शिक्षा के नाम पर कॉलेज तक 15-16 साल की पढ़ाई में बेंकिंग के बेसिक के अलावा और कुछ भी नहीं पढ़ाया जाता। पैसों को कहां-कहां निवेश किया जा सकता है या कैसे उनकी बचत की जा सकती है, इसके सभी विकल्पों के बारे में भी उन्हें जानकारी नहीं होतीहैं। जरूरी है कि कम आयु के साथ ही अपने बच्चों को वित्तीय शब्दावली व निवेश और बचत की अवधारणा से अवगत कराएं। कर्ज को प्रबंधित करें, एक ऋण कटौती योजना विकसित करें, जैसे कि पहले उच्चतम दर पर ऋण का भुगतान करना, आदि। अनावश्यक कर्ज लेने से बचे तथा कर्ज लेकर निवेश के बारे मे न सोचे।पैसों का सही लेनदेन करे। वित्तीय निर्णय में परिवार के सदस्यो को भी शामिल करे। बिलों का तत्काल नियमित रूप से समय पर भुगतान सुनिश्चित करें।

किसी आपातकालीन घटना के लिए पैसे बचाएं (वित्तीय एयरबैग रखे)। जब आपके पास नौकरी नहीं होतीहैं या आप कोई काम नहीं करते हैं, वित्तीय एयरबैग आपको उसी स्तर के खर्च के साथ 3-6 महीने तक जीने की व्यवस्था रखता है, जिस तरह आप तब जी रहे थे, जब आपके पास नौकरी थी। बचत के बिना जीना, बचत के साथ जीने की तुलना में सैकड़ों गुना डरावना है। जोखिमों का अनुमान लगाना सीखें, जैसे कि नौकरी छूटना, कोई संकट आना, कोई महामारी फैलना, आदि।अपने वेतन/ व्यापार से जितना हो सकेबचाएं। यदि आपको पता चलता है कि आप उन चीजों पर पैसा खर्च कर रहे हैं जिनकी आपको बिल्कुल आवश्यकता नहीं है, तो खर्चे में कटौती करें। स्थायी तौर पर आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में रहे।

धोखा देने वाले वित्तीय प्रस्तावों को पहचानने की क्षमता विकसीत करे, ताकि आप एक या दो बार में ही उस वित्तीय सलाहकार के अंदर झांक सके, जो आपको धोखा देने की कोशिश कर रहा है। आप पिरामिड (एम एल एम) योजनाओं में निवेश नहीं करे और पैसो से जुडी गलतिया ना करे। आप अपने पैसे का एक बड़ा प्रतिशत ऐसी चीज़ पर निवेश न करे, जिसमे स्पष्ट रूप से पता नहीं हो कि क्या होता है। सभी ने शुरू किया, इसलिए मैने भी शुरू किया, ऐसा ना करे। धोखाधड़ी का संदेह होने वाले ऑनलाइन प्रोजेक्ट्स से सावधान रहें, भले ही आपके जानने वाले सभी लोग पहले से ही इन प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहे हो। इंतज़ार करने से, ऑफर को अस्वीकार करने से, एक तरफ हटने और मार्किट में निवेशकों के व्यवहार के नतीजों को देखने से न डरे। आप सभी संकटों को एक दार्शनिक शांति के साथ देखे, इसकी बदौलत, आप हमेशा लॉन्ग-टर्म का हिस्सा होते हैं। यदि आप कमाई की किसी योजना में रुचि रखते हैं, तो आप पहले इसका अध्ययन करें, रिव्यु पढ़ें, सोचें कि क्या यह वैध है और क्या यह सच में उतना अच्छी है, जितना नज़र आती है, विचार करें, वित्तीय विश्लेषकों से सलाह ले। आप उन गतिविधियों में भाग नहीं लें, जो संदेहपूर्ण हो।विचित्र व शंकास्प्रद लिंक ना खोले व ओनलाइन फ्रोड के प्रति सावधान रहे।अपनी ओटीपी, पासवर्ड, पिन, कार्ड नम्बर आदि किसी को ना बताये।

अपने क्रेडिट स्कोर का पता लगाएं और ऋण का अध्ययन करें। अपना क्रेडिट स्कोर जांचें, अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको अन्य लाभों के अलावा, सर्वोत्तम ब्याज दरों को प्राप्त करने में सहायता करेगा।आप किसी विशेष सरकारी सेवा या बैंकों के माध्यम से क्रेडिट स्कोर मांग सकते हैं। ज्यादातर यह सेवा मुफ़्त होती है। एक उच्च क्रेडिट स्कोर का मतलब होगा कि आप एक विश्वसनीय उधारकर्ता हैं जो हमेशा भुगतान करता है। कम रेटिंग का मतलब, बिल्कुल इसके विपरीत है। रेटिंग के साथ, आप रिपोर्ट भी देख सकते हैं; यह रिपोर्ट निरीक्षण निकायों और क्रेडिट संगठनों को आपके वित्त की स्थिति दिखाएगी। क्रेडिट स्कोर इस बात पर असर डालता है कि वे आपको ऋण देंगे या नहीं और वे आपको कितने प्रतिशत की पेशकश करेंगे।

वित्तीय शिक्षाके लिये कुछ श्रेष्ठ पुस्तके

1 रॉबर्टकियोसाकीकी'रिचडैडपुअर डैड': यह पुस्तक वित्तीय प्रबंधन समबंधित आपके दृष्टिकोण का काफी विस्तार करती है।

2 टोनीरॉबिंसकी'मनी: मास्टरदगेम': इस पुस्तक मे आपको वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने के सात चरण मिलेंगे। इसमें कई शक्तिशाली लोगों के साथ लेखक के इंटरव्यू के अंश भी हैं।

3 स्कॉटपपेकी'दबेयरफुटइन्वेस्टर': इस पुस्तक मे लेखक बताता है कि कैसे कर्ज से छुटकारा पाएं और अपने जीवन स्तर को कम किए बिना पेंशन की व्यवस्था करे।

4 कार्लरिचड्र्सकी' दवन-पेजफाइनेंशियलप्लान': यह पुस्तक एक पेज की वित्तीय योजना प्रदान करती है, जो ज्यादातर मामलों में काम करती है।

5 बेंजामिनग्राहमकी'दइंटेलीजेंटइन्वेस्टर': यह पुस्तक बताती हैकि मार्केट कैसे काम करता है और निवेश के लिए सबसे आशाजनक कंपनी चुनकर आप इसे कैसे हरा सकते हैं। वॉरैन बुफ़े का मानना है कि इस किताब को "निवेश" श्रेणी में बेस्ट कहा जा सकता है।

(नोट: यह लेख डॉ. दौलत कुमार शर्मा द्वारा संकलित हैं। वर्तमान में डॉ. दौलत कुमार, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज गांधीनगर, गुजरात में फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं।)

सूचना

समाज की इस पत्रिका में लेख, आर्टिकल या विज्ञापनदाता द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के दावे या प्रस्तुतिकरण के लिए पत्रिका प्रबंधन जिम्मेदार नही है, पत्रिका का उद्देश्य समाज की जानकारीया और समाजबंधुओ से मिलनेवाली सकारात्मक खबरो को सही ढंग से लोगो तक पहुंचाना है।

श्रावण महिने में 'सेल्फी विद टेंपल' अभियान

श्री सोमनाथ महादेव मंदिर, ग्यासपुर, अहमदाबाद (तस्वीर में पंकज शर्मा, विजयभाई शर्मा, सुभाषभाई शर्मा, डॉ.दौलतकुमार शर्मा पूजा करते हुए)

सोमनाथ महादेव मंदिर , ग्यासपुर , अहमदाबाद (तस्वीर - पेथापुर के कान्तिभाई शर्मा पूजा करते हुए)

विकास शर्मा (रणासन-साबरकांठा) शिवालय का नाम - सुप्रसिद्ध यात्राधाम केदारनाथ महादेव (रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड) (तस्वीर - 20 अगस्त 2023)

योगेन्द्र शर्मा(भीखाभाई), दहेगाम, चंद्रयान-3 की थीम पर सजाया गया शिवालय, हाटकेश्वर महादेव मंदिर, दहेगाम (जि,गांधीनगर)

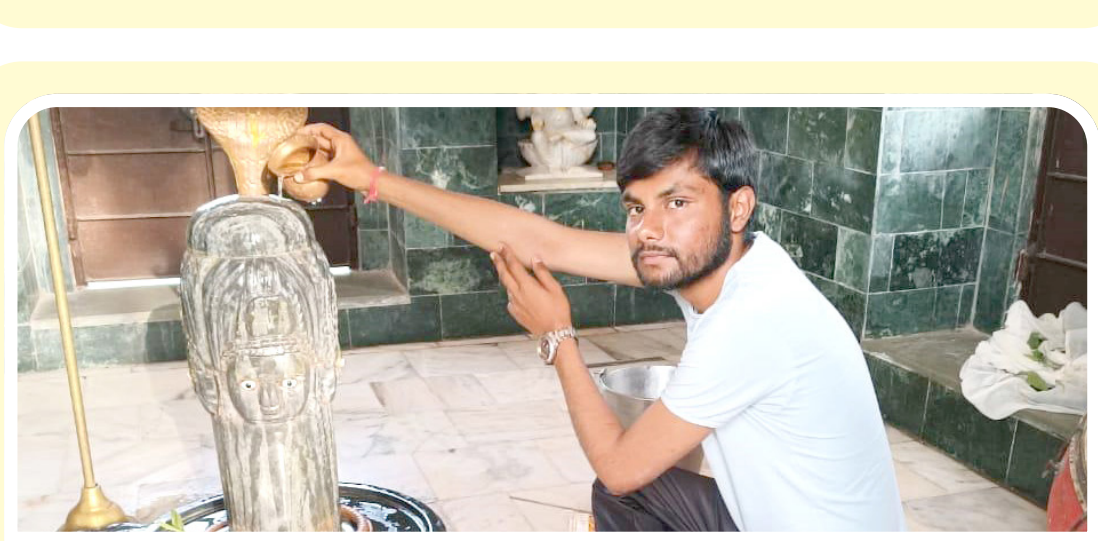

चौमुख महादेव मंदिर (८वी सदी का प्राचीन), गांव-हाथरोल, तहसील- हिम्मतनगर, जिला-साबरकांठा, रोहितकुमार चंद्रपाल शर्मा (सेक्शन ऑफिसर) दर्शन करते हुए

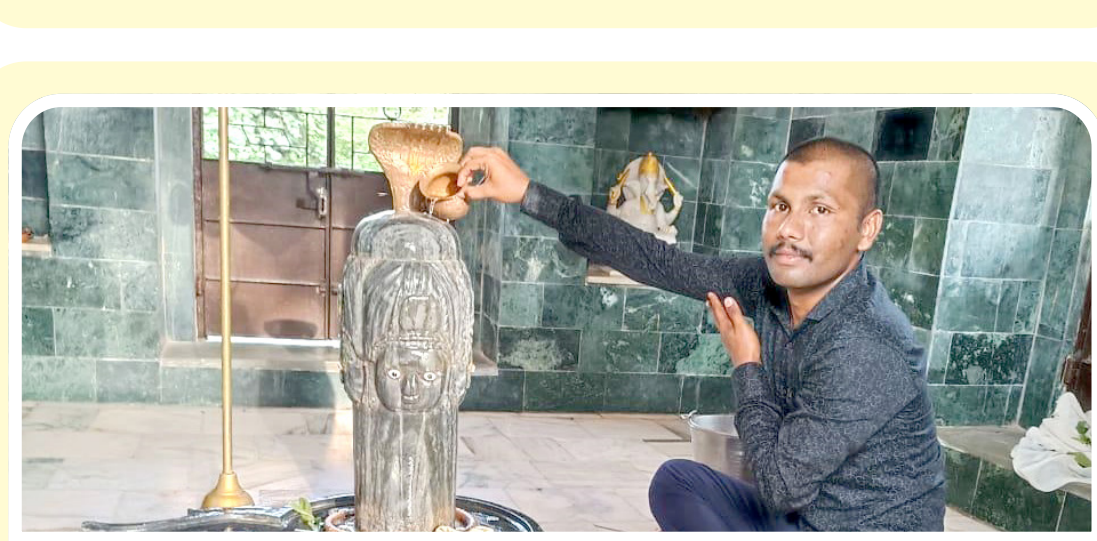

चौमुख महादेव मंदिर(८वी सदी का प्राचीन), गांव-हाथरोल, तहसील- हिम्मतनगर, जिला-साबरकांठा, आकाशकुमार चंद्रपाल शर्मा (गुजरात पोलिस) दर्शन करते हुए

दर्शनार्थी - लालीजी महाराज (अहमदाबाद), मंदिर - भर्तृहरि धाम, अलवर, राजस्थान,
(उज्जैन के महाराजा भर्तृहरि ने वैराग्य धारण कर अलवर की इस तपोभूमि पर समाधि ली थी.
उनकी समाधि स्थल अब भर्तृहरि धाम के रूप में प्रसिद्ध है)

भगवान शिव की उपासना को समर्पित श्रावण माह के अंतिम सोमवार को
अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्माने
सांगानेर स्थित शिवालय में भगवान शिवजी को जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।

लक्ष्मीकांत पंडित परिवारजन के साथ दर्शन करते हुए, शिवालय का नाम - स्तंभेश्वर महादेव मंदिर,
कावी-कंबोई, जंबुसर, जिला भरुच,
(दिन में दो बार दर्शन देकर, समुद्र की गोद में छुप जाता है भारत का ये अनोखा शिव मंदिर)

विजयभाई शर्मा(चोरीवाड) एवं सुभाष शर्मा(गांधीनगर) अपने परिवारजन के साथ भरुच में कावी कंबोई स्थित स्तंभेश्वर महादेव के दर्शन करते हुए

मिस राजस्थान का फिनाले बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

समाज का बढाया गौरव

मिस राजस्थान की विनर बनीं

वैष्णवी शर्मा

जयपुर की वैष्णवी शर्मा मिस राजस्थान बन गई हैं। अब वह मिस दीवा के ऑडिशन राउंड तक पहुंच गई हैं। वैष्णवी ने पांच हजार गर्ल्स को पीछे छोड़ते हुए विनिंग क्राउन जीता। एक वक्त था जब वैष्णवी को नहीं पता था कि लाइफ में क्या करना है। उन्होंने बताया- साथी बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट बनने की बात करते थे। मुझे कुछ पता ही नहीं था कि मैं आगे क्या करूंगी? वैष्णवी अब नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन करना चाहती हैं। वह फिल्मों में भी काम करने को लेकर प्लान कर रही हैं। बिड़ला ऑडिटोरियम में हुए मिस राजस्थान के फिनाले में वैष्णवी को विनिंग क्राउन के साथ एक लाख रुपए का चेक भी मिला है। इसके अलावा बॉलीवुड कोरियोग्राफर पप्पू मालू उन्हें एक वीडियो एलबम के जरिए लॉन्च भी करने वाले हैं। मिस राजस्थान की विनर वैष्णवी शर्मा ने बताया- सबकुछ किसी सपने से कम नहीं है। हम यहां तक बहुत मेहनत से पहुंचे हैं। ट्रेनिंग सेशन से लेकर एक्सपर्ट्स ने हमें नेशनल लेवल की तरह ही तैयार किया है। जब मैं रैम्प पर होती हूं तो ऐसा लगता है कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही हूं। घरवालों ने हमेशा मुझे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज यह सही भी साबित हो रहा है। वैष्णवी ने अपनी स्कुली शिक्षा महारानी गायत्री स्कुल जयपुर से पुरी की और देहली युनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पुरा किया ।

बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित फिनाले में टॉप 28 मॉडल्स में से वैष्णवी शर्मा विनर बनकर निकली और ताज अपने नाम किया। फर्स्ट रनरअप का खिताब आकांक्षा चौधरी ने जीता। इसमें सेकंड रनरअप ओर्जला, थर्ड रनरअप दीक्षा यादव, फोर्थ रनरअप पल्लवी जोशी, फिफ्थ रनरअप आस्था चौधरी और सिक्स्थ रनरअप का खिताब सेजल शर्मा ने अपने नाम किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने विनर मॉडल्स को क्राउन पहनाया और टाइटल प्रदान किए। मिस राजस्थान के मंच पर 5400 गर्ल्स को चुनौती देकर टॉप 28 गर्ल्स ने अपने सपनो को पंख देते हुए उड़ान भरी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जगदीश चन्द्र, सीनियर कांग्रेस लीडर पं सुरेश मिश्रा, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल, पवन गोयल, जे डी माहेश्वरी, अजय सिंह मीणा, पूजा अग्रवाल, निर्मला सेवानी, अतुल शर्मा, सुरेंद्र कालरा, संजय शर्मा, विष्णु टांक, अंशुल जैन, वासु जैन, देवांशु जैन, गौरव जेटली मौजूद रहे।

पैजेंट की जूरी में अंजलि राऊत, मुकेश मिश्रा, राज बंसल, पप्पू मालू, सिमरन शर्मा, डॉ अरविंद अग्रवाल, आंचल बोहरा, अरशद हुसैन जैसे नाम शामिल रहे। मिस राजस्थान के आयोजक योगेश मिश्रा व निमिशा मिश्रा ने बताया की मिस राजस्थान के ग्रैंड फिनाले में जहां टॉप 28 मॉडल्स ने रैम्प पर पहले राउंड मे निवारा कॉलेज ऑफ डिजाइनिंग के आउटफिट्स पहनकर ओपनिंग एक्ट किया। उनमें से चुनी गई 14 मॉडल्स ने अगले राउंड मे मंदाकिनी के जयपुर बेस्ड फेमस डिजाइनर प्रशांत कुमार पोद्दार का सेमी ब्राइडल कलेक्शन लॉन्च किया।

दिव्यांग हितेश पंडित का हौसला है बुलंद, हारमोनियम में दिखा रहे हुनर

अगर कोई यह मानकर हार मान जाता है कि वो दिव्यांग है और वो कुछ नहीं कर सकता तो वो कुछ हासिल नहीं कर पाएगा। एक

दिव्यांग स्वयं अपने बारे में जो सोचता है वहीं दुनिया उसके बारे में सोचेगी। हर किसी को अपनी सोच सकारात्मक सोच रखनी होगी। किसी भी क्षेत्र में काम करो, लेकिन उसमें इतनी मेहनत करो कि, वो चैलेंज आपके लिए आसान हो जाए। एक दिव्यांग का हौसला ही उसे कामयाबी दिलाता है। वडोदरा में रहने वाले हितेश पंडित को आंखों से कम दिखाई देता है। वह अंध दिव्यांग हैं। हालाँकि, वह सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। पहले भी कई परीक्षाएं दे चुके है। उनके प्रयास और जीने का संघर्ष उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा है जो बहुत जल्दी हार मान लेते हैं।

अहमदाबाद : रामजीलाल जोशी एवं समस्त खेडा परिवार की तरफ से श्रावण मास में भंडारे का आयोजन किया गया

दिनांक 20 अगस्त 2023 रविवार श्रावण मास के शुभ अवसर पर भगवान श्री शंकर पार्वती जी की असीम कृपा से रामजी लाल जोशी, विनोद सरपंच , बनवारी लाल , पिंटूभाई एवं समस्त खेड़ा परिवार की तरफ से धार्मिक अनुष्ठान एवं विशेष भंडारे(महाप्रसादी) का आयोजन हुआ,अहमदाबाद के ग्यासपुर में, नारोल रोड के पास स्थित प्राचीन सोमनाथ महादेव मंदिर के पावन सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में कई समाजबंधुओने शिरकत की

श्री हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज संस्थान कोटा छात्रावास सहयोग संदेश

जयप्रकाश शर्मा, दिल्ली : समाज के भूखंड जिसका साईज 11500 SFT, 32 टैगोर नगर (कोटा ओपन विश्व विद्यालय, कोटा यूनिवर्सिटी, राजस्थान तकनीकी विश्व विद्यालय, कोटा इंजनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज के पास) कोटा पर नवनिर्मित छात्रावास के निर्माण के निरिक्षण हेतु शम्भू शर्मा (हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष व दिल्ली प्रदेश महामंत्री) और श्री जय प्रकाश शर्मा (दिल्ली प्रदेश सलाहकार) का दि. 23.08.23 को कोटा छात्रावास पर आगमन हुआ तथा समाज बंधुओं ने इनका भव्य स्वागत और स्नेह मिलन किया.निर्माण कार्य हेतु इनसे विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया तथा निर्माण कार्य से सम्बन्धित इन्होने ने अपने भवन निर्माण के व्यवसाय के अनुभव से अमूल्य सुझाव दिए तथा इन्होंने सहर्ष रूप से सम्पूर्ण भवन के लिए 10,000 वर्ग फुट उत्तम किस्म की टाईल्स और ग्रेनाईट देने की स्वीकृति दी है जिससे समाज को अमूल्य आर्थिक बचत होगी जिसके लिए समस्त समाज की और से शम्भू शर्मा व जय प्रकाश शर्मा और इनके समस्त परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद और हार्दिक आभार प्रकट किया.

जमवा रामगढ : चावंड माता को चांदी का छत्र अर्पित किया गया

कल्पना शर्मा, वडोदरा : राजस्थान के जयपुर जिले की जमवारामगढ तहसील के ग्राम चावंड का मंड में स्थित चावंड माता के मंदिर में बड़ोदरा से पधारे हुए मनोज जी ,राधेश्याम जी, मूलचंद जी,महेशजी,मुकेशजी बंदावला। यात्रियों द्वारा 1 किलो चांदी का छत्र चामुण्डा माता के सप्रेम भेंट किया गया। चामुंडा माता की असीम कृपा व आशीर्वाद इन सभी यात्रियों पर ऐसे ही बना रहे।

दिल्ली : राजेश जी के नेतृत्व में उत्तरी दिल्ली (हिरनकी -नाथूपुरा)का सफल प्रवास

जयप्रकाश शर्मा, दिल्ली : दिनांक 20.08.2023 को समाज अध्यक्ष राजेश जी के नेतृत्व में उत्तरी दिल्ली (हिरनकी -नाथूपुरा)का प्रवास रहा । पिछले दिनों घर घर संपर्क और समाज के लिए 500 रुपए प्रत्येक परिवार से एकत्रित करने के क्रम में श्रेष्ठ कार्य करने पर क्षेत्रीय कार्यकारिणी सहित सभी का सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया गया। इस दौरान हिरनकी में श्री देवेन्द्र जी (कोषाध्यक्ष) का पिछले दिनों भारतीय डाक विभाग से सेवानिवृति लेने पर समाज की ओर से माल्यार्पण तथा साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। इसी के साथ दिल्ली एनसीआर समाज के सचिव शंभू जी , गुरुग्राम को महासभा की ओर से हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष मनोनित होने पर दिल्ली समाज की ओर से माल्यार्पण तथा साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस प्रवास में सामान्य चर्चा के दौरान दिल्ली में समाज के क्रियाकलापों तथा बाहर से आने वाले समाज बंधुओ / छात्रों के लिए एक बहुउद्देशीय भवन/छात्रावास/ धर्मशाला की आवश्कता के विषय में चर्चा हुई। इस हेतु 5-7 समाज बंधुओ की समिति बनाकर स्थान,भूमि ,भवन ,बजट आदि के विषय में अपनी अध्यन रिपोर्ट बनाने की जिम्मेदारी देने के लिए विचार रखे गए। वापसी में नाथूपुरा निवासी ताराचंद जी के निवास पर भी चाय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में कार्यकारणी तथा अन्य समाजबंधुओं से मिलना काफी उत्साहवर्धक रहा।

सरखेज(अहमदाबाद) ग्रुप द्वारा श्रावण मास में भक्तो के लिए भंडारे का किया आयोजन

अहमदाबाद : दिनांक 27 अगस्त 2023 रविवार श्रावण मास के शुभ अवसर पर भगवान श्री शंकर पार्वती जी की असीम कृपा से हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज सरखेज ग्रुप(अहमदाबाद) की तरफ से समाज बंधुओं को सह परिवार भोजन प्रसादी(भंडारे) का आयोजन हुआ। आयोजन कर्ता श्री मोहन जी शर्मा, श्री कैलाश जी शर्मा, श्री मुकेश जी शर्मा, श्री रिंकू जी शर्मा, श्री लक्ष्मी नारायण जी शर्मा, श्री कपूर जी शर्मा एवं सरखेज ग्रुप के सहयोगीओने मिलकर भंडारा कर महादेव के मंदिर में आशीर्वाद प्राप्त किए। यह कार्यक्रम अहमदाबाद के चांगोदर रोड पर नवापुरा पाटिया के पास स्थित रामदेव पीर मंदिर परिसर में आयोजित हुआ, जिस में कई समाजबंधुओने देवाधिदेव महादेव की महाप्रसादी का लाभ लिया। बड़ी संख्या में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे। भगवान भोलेनाथ के दर्शन किये और महाप्रसादी का लाभ उठाया।

डाकोर में राजस्थान से पधारे तीर्थयात्रीओ-समाजबंधुओ के लिए चाय-नास्ता एवं विश्राम के लिए व्यवस्था की गई

राजस्थान-जयपुर से दो बसों में तीन धाम यात्रा पर निकले समाजबंधुओं-भक्तों को डाकोर में विश्राम दिया गया, अखिल गुजरात हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय पंडित ने सभी तीर्थयात्रियों के लिए चाय-नाश्ता और विश्राम की व्यवस्था की। इस दौरान कोषाध्यक्ष सुरेश पंडित, सतीश शर्मा(महुधा),हितेश पंडित(डाकोर), रामअवतारजी शर्मा(अहमदाबाद) समेत कई समाजबंधुओ उपस्थित रहे..

K.M.Transport Service

Kamlesh Sharma

General Secretary-All India
Hariyana Goud Brahmin
Mahasabha, Gujarat

M : 9427022758
M : 9898584469

Truck, Trailors, Cranes, Suppliers For All Over India Specialist in O.D.C. Consignment, Carting & Crane Contractor.

Nathabhai Estate, Opp.Suncor Plaza, Nr.Jashodanagar Cross Road, Amraiwadi, Ahmedabad-380026 | Email : kmts9@yahoo.in

लंदन में अध्ययन और नौकरी के बेहतर अवसर

हितेश शर्मा (यूके)

समाज के युवा अगर पढ़ाई के लिए लंदन आना चाहते हैं तो मार्गदर्शन और मदद के लिए तैयार हूं - हितेश शर्मा

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के कई युवक-युवतियां विदेश में जाकर पढ़ाई कर रहे हैं और उज्ज्वल करियर बना रहे हैं और परिवार का उत्थान कर रहे हैं.. गुजरात पत्रिका के पिछले अंक में हमने समाज के चार-पांच विद्यार्थियों के बारे में जानकारी दी थी.. जिनमें से दो कनाडा में और दो अमेरिका में पढ़ रहे हैं और सफलतापूर्वक अपने करियर को आगे बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी में हम बात करेंगे 23 वर्षीय हितेश रामकुमार शर्मा के बारे में, जो आनंद जिले के सारसा गांव के मूल निवासी हैं और फिलहाल लंदन में पढ़ रहे हैं। केजीआईटी, सावली, वडोदरा से कंप्यूटर इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद पोने दो साल से लंदन में रह रहे हैं। वहां इस्ट लंडन में स्थित ग्रीनविच यूनिवर्सिटी से साइबर सिक्योरिटी (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) में मास्टर्स कर रहे हैं। लंदन से गुजरात समाज की पत्रिका टीम को जानकारी देते हुए हितेश शर्मा ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम (यूके) में बड़ी संख्या में भारतीय पढ़ाई और काम करने आते हैं..हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का कोई भी युवा स्टडी करने के उद्देश्य से लंदन आना चाहता है तो मैं उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दूंगा। इतना ही नहीं, बल्कि उन्हें रहने में भी मदद करूंगा। हितेश शर्मा कहते हैं कि फिलहाल वे आईटी मेनेजर के तौर पर एक कंपनी में कार्य कर रहे है...युवा वर्ग को कहना चाहुंगा कि अगर आपने लंदन में आईटी, नर्सिंग, मेडिकल या बिजनेस मैनेजमेंट जैसे कोर्स किए हैं तो आपको यहां बहुत फायदा होगा. इतना ही नहीं, अगर आप यहां आकर ऐसे उच्च कोर्स करते हैं तो भी नौकरी के भरपूर अवसर हैं। यहां अनुभव सबसे महत्वपूर्ण है..शुरुआत में नौकरी पाना मुश्किल होगा लेकिन फिर सब कुछ सेट हो जाता है..अगर आप भारत से अनुभव लेकर यहां आते हैं तो आपको आसानी से नौकरी मिल सकती है.. लंदन में नौकरी के लिए जरूरी है अंग्रेजी का ज्ञान , उच्च शिक्षा या कौशल होना चाहिए। अगर आप मल्टी-टास्क बनकर यहां आते हैं तो आपको यहां सेट होने में कोई दिक्कत नहीं होगी..हितेश शर्मा के पिता रामकुमार हरस्वरूप शर्मा वर्षों से सारसा गांव में डेयरी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। जबकि मां ज्योतिबेन शर्मा गृहिणी हैं..ग्रीनविच यूनिवर्सिटी की बात करे तो खास बात यह है कि हैरी पॉटर और स्टूडेंट ऑफ द ईयर-2 की बोलीवुड फिल्म की शूटिंग ग्रीनविच यूनिवर्सिटी में ही की गई थी।

पत्रिका के संपादक विजयभाई शर्मा गुजरात समाज में

विवाह करने के इच्छुक युवक-युवतियों के लिए जीवनसाथी परिचय सम्मेलन

आयोजित करने का विचार प्रदेश संगठन के सामने रखेंगे

विजयभाई शर्मा, साबरकांठा: हर समाज में विवाह या जीवनसाथी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है..चाहे वह पाटीदार समाज हो, पटेल समाज हो, विश्वकर्मा समाज हो, ब्रह्म समाज हो या गुजराती ब्राह्मण समाज--इनमें से प्रत्येक समाज में, प्रदेश संगठन या धर्मार्थ लोगों के समूह द्वारा समय-समय पर जीवनसाथी परिचय बैठकें आयोजित की जाती हैं।अब आधुनिक और तकनीक के युग में यह बहुत जरूरी हो गया है.. क्योंकि हर जिले में या हर राज्य में समाज में विवाह योग्य युवक या युवती कौन है इसकी जानकारी आसानी से नहीं मिल पाती है.. लेकिन जीवनसाथी परिचय सम्मेलन हो सकता है ऐसी जानकारी प्राप्त करने का एक सुनहरा माध्यम।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज गुजरात प्रदेश संगठन में असंख्य युवक-युवतियां विवाह के योग्य हैं। गुजरात में समाज में विवाह के अधिक और बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने तथा युवक-युवतियों के परिचय को सशक्त बनाने के लिए गुजरात में प्रदेश संगठन की इच्छानुसार प्रदेश के भावी कार्यक्रम के साथ साथ युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। हमने अक्सर राज्य में देखा है कि कई परिवार अपने युवक-युवतियों की शादी को लेकर काफी चिंतित रहते हैं। हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ा-लिखाकर एक अच्छा नागरिक बनाने या व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। लेकिन अगला कदम युवक या युवती की शादी का होता है। माता-पिता को हमेशा यह चिंता रहती है कि मेरा बेटा या बेटी अच्छा रिश्ता मिले। यह तलाश उनकी बेटी की 21 साल की उम्र से शुरू होती है और बेटे की 24 साल की उम्र से ही शादी के लिए अच्छे रिश्ते की तलाश में रहते हैं। कई बार रिश्तेदारों के अलावा अन्य संपर्क न

गुजरात भर से समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियां इस सम्मेलन में अपना परिचय देकर वांछित विकल्प प्राप्त कर सकें, इस उद्देश्य से इस योजना पर विचार होना चाहिए

होने के कारण अक्सर अच्छा पात्र नहीं मिल पाता। या फिर सीमित संपर्क के कारण अच्छे विकल्पों को गवाना पड़ता है। कई मामलों में तो शादी के लिए पात्र ढूंढने में भी काफी समय लग जाता है। लेकिन पात्र नहीं मिलता है. हमारे समाज में ऐसे कई लोग हैं जिनकी शादी की उम्र निकल चुकी है और उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे मामलों को कम करने के लिए हमारे समाज में हर दो साल में एक जोड़े का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाना चाहिए।

क्या होता है युवक युवती परिचय संमेलन में?

युवक-युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से समाज के युवक-युवतियां अपना बायोडाटा लेकर कार्यक्रम में पहुंचते हैं। अपना बायोडाटा नामित टीम को सौंपता है। मंच से हर युवक-युवती कहां से आते हैं, क्या करते हैं, पिता-माता का नाम, गोत्र की जानकारी समाज के बीच साझा करते हैं। यह उनके परिचय प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाता है। क्योंकि वहां परिवार के सदस्य युवक-युवति से आमने-सामने मिल सकते हैं। बायोडाटा का आदान-प्रदान कर सकते हैं। पसंदीदा बायोडाटा के बारे में जानकारी ले सकते है। पारिवारिक जानकारी जुटा सकते है. यदि किसी परिवार को कोई युवक या युवती पसंद है तो वे आगे की कार्रवाई स्वयं कर सकते हैं। जरा सोचिए.. इस कार्यक्रम से हमारे समाज को कितना खुला मैदान मिलेगा? हर परिवार को बेहतर रिश्ता मिलने की आशा जगेगी. इतना ही नहीं हर जिले से हमारे लोग इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे.

मैंने इस पर चर्चा करने के लिए अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन की क्षेत्रीय टीम और अपनी जिला टीम को एक लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मैं समाज के प्रत्येक जिले के अध्यक्षों और प्रदेश संगठन की टीम से भी फीडबैक लेना चाहता हूं। यदि सभी सहयोग करने को तैयार हों तो भविष्य में जब गुजरात प्रदेश संगठन का कोई राज्य स्तरीय कार्यक्रम हो तो युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन भी किया जा सकता है। इससे खासतौर पर उन परिवारों को मदद मिलेगी जो अपने बच्चों के रिश्ते की तलाश कर रहे हैं। कृपया अपनी प्रतिक्रिया व्हाट्सएप नंबर 8140036786 पर भेजें। अथवा गुजरात पत्रिका टीम के ई-मेल - guj.bhgb@gmail.com पर भेजें.. समाज की जागरूकता ही समाज की प्रगति होगी। समाज की प्रगति ऐसी होनी चाहिए जिससे परिवार के सभी लोगों के बीच सहायता, सहयोग, समर्थन, एकता और विश्वास को बढ़ावा मिले। मुझे आशा है कि मेरे विचार पर समाजबंधु एवं गुजरात प्रदेश संगठन टीम विचार करेगी। समाज को सहयोग देने के लिए आगे भी मेरी ओर से सभी प्रयास जारी रहेंगे..धन्यवाद

अहमदाबाद : लालीजी महाराज एवं रामअवतार शर्माने मिलकर राजस्थान के यात्रालुओ के लिए विशेष व्यवस्था संभाली

राजस्थान जयपुर और उसके आसपास इलाको से दो ट्रावेल्स बस में तीन धाम की यात्रा पर निकले हरियाणा गौड ब्राह्मण समाजबधुओ एवं यात्रालुओ का जत्था अहमदाबाद पहुंचा...जहां दिनांक 27 अगस्त 2023 रविवार के दिन सभी यात्रालुओ का स्वागत करके उनको ठहर(विश्राम)ने की व्यवस्था, भोजन आदि की व्यवस्था अहमदाबाद के वरिष्ठ सेवाभावी समाजबंधुओ लालीजी महाराज एवं रामावतारजी कुडाया के सौजन्य से प्रदान की गई..राजस्थान से पधारे 150 से ज्यादा समाजबंधुओ एवं यात्रीओ को छगनभाई की वाडी (अर्बुदा नगर) में चुरमा बाटी की महाप्रसादी की सेवा देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ...लालीजी महाराजने बताया कि हर साल यात्रीओ की सेवा करने का अवसर मिलता है..इन दो बसो के इलावा अभी और भी कई यात्री बसे आनेवाली है उनके लिए भी सभी व्यवस्थाओ का ध्यान रखा जा रहा है..सभी यात्रीओ को शाम 4 बजे जय द्वारकाधीश के नाद के साथ रवाना किया गया..

जयपुर : अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित सामूहिक गोठ, प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित सामूहिक गोठ, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं राजनैतिक सम्मेलन रविवार 24 सितंबर को जवाहर लाल नेहरू मार्ग जयपुर समाज के छात्रावास में आयोजित होगा। प्रतिभा सम्मान समारोह में इस वर्ष सेकेंडरी, स्नातकोत्तर तक के 85 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा । इस के लिए 2 सितम्बर 2023 के दिन जयपुर स्थित छात्रावास में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया । इस वर्ष नीट, आईआईटी में सिलेक्ट होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही सितंबर 2022 से अगस्त 2023 तक समस्त राजकीय सेवा में चयनित होने वाले सभी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर से करीब 30,000 समाज बंधु भाग लेगे। प्रतिभा समारोह को सफल बनाने के लिए कई भामाशाहों ने सहयोग राशि की घोषणा की।

बार-बार असफल होने के बाद भी सफलता कैसे पायी जा सकती है?

कई प्रयासो के बाद पुलिस कॉन्स्टेबल बने

आकाश शर्मा ने बताएं जीवन में आनेवाले असीमित उतारचढाव

बार-बार असफलता से निराश न हों, असफलता ही इंसान को सफलता का मार्ग दिखाती है - आकाश शर्मा

आकाश शर्मा, हिंमतनगर : मेरा नाम आकाशकुमार चन्द्रपाल शर्मा है। मेरा जन्म 17 जून 1995 को साबरकांठा जिले के तलोद तालुका के राणासन में हुआ था। पिता अपने परिवार के साथ साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तालुका के हाथरोल में रहते थे। मेरे परिवार में पिता, माता, मेरी पत्नी, छोटा भाई और छोटे भाई की पत्नी हैं। पिता हाथरोल गांव में दूध का व्यवसाय चलाते थे, जिसमें मावा बनाना व्यवसाय का मुख्य कार्य था। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही मध्यम थी। मुझे बचपन से ही सीखने का शौक था। मेरी 10वीं कक्षा तक की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा हाथरोल गांव में हुई। मैंने वर्ष 2010 में 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की। मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा था इसलिए मेरे पिता ने मुझे पहले ही पढ़ने की इजाजत दे दी थी। इसलिए 10वीं कक्षा के बाद मैंने डिप्लोमा करने का फैसला किया। 2011 से 2013 तक गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, हिम्मतनगर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया।

वर्ष 2013 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूरा करने के बाद कॉलेज में कई कंपनियां नौकरी के लिए आईं, जिनमें से एक में मेरा चयन हो गया। मैं काम करने के लिए तैयार हो गया और अपने पिता से बात की, उन्होंने मुझे काम न करने की सलाह दी और आगे पढने के लिए प्रोत्साहित किया। इसलिए मैंने डिग्री हासिल करने का फैसला किया और हिम्मतनगर के पास ग्रोमोर कॉलेज में दाखिला ले लिया। प्राइवेट कॉलेज होने के कारण फीस अधिक होना स्वाभाविक है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, मध्यम आर्थिक स्थिति के बावजूद, उन्होंने कड़ी मेहनत करके और कहीं से भी सुविधा देकर मुझे पढ़ाया। मुझे पढ़ाने में पिता के साथ-साथ मेरी मां का भी बहुत योगदान रहा। चूँकि माता-पिता व्यवसाय में व्यस्त थे, इसलिए बहुत सारी पढ़ाई स्वयं ही करनी पड़ती थी। वर्ष 2016 में मैंने बी.ई. किया। (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पूरा किया। वहां प्राइवेट कंपनियां भी जॉब ऑफर के लिए कैंपस में आईं और कैंपस इंटरव्यू में मेरा सिलेक्शन भी हो गया, लेकिन उसी वक्त सरकारी नौकरी की वैकेंसी निकली तो मैंने प्राइवेट नौकरी की जगह सरकारी नौकरी करना चुना। इसके बाद मैं सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए गांधीनगर चला गया। जहां मैंने प्राइवेट क्लासेज ज्वाइन कर अपनी तैयारी शुरू की। उस समय हालात इतने अच्छे न होते हुए भी परिवार के सभी सदस्यों ने बिना किसी हिचकिचाहट के मुझे आर्थिक और मानसिक रूप से सहयोग दिया। 2017 में, मैंने भारतीय डाक में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) परीक्षा दी, जिसमें मैं 2 अंकों से असफल हो गया। आगे की तैयारी जारी रही और राजकोट नगर निगम में जूनियर क्लर्क की भर्ती आ गई जिसके लिए उन्होंने परीक्षा दी जिसमें उन्हें मेरिट में 2 अंक भी मिले। उम्मीद न छोड़ते हुए उन्होंने कड़ी मेहनत जारी रखी और 2017 में उन्हें हाई कोर्ट में बेलीफ के पद पर भर्ती किया गया, जिसमें उन्होंने प्रीलिम्स परीक्षा तो पास कर ली, लेकिन मुख्य परीक्षा में फेल हो गए।

लगातार मिल रही असफलता के बावजूद हार नहीं मानी और तैयारी जारी रखी। उसी समय पिता को दिल का दौरा पड़ने के कारण तैयारी छोड़नी पड़ी और गांधीनगर से घर आना पड़ा। ऐसी स्थिति आ गई कि मुझे घर की जिम्मेदारियां और बिजनेस दोनों संभालना पड़ा, इसलिए मैंने कुछ समय के लिए बिजनेस संभाल लिया। कुछ समय बाद, स्थिति से निपटने के लिए उन्हें एक निजी नौकरी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसलिए अरवल्ली जिले के भिलोडा आईटीआई कॉलेज में आईटीआई प्रशिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया। जहां मैंने वायरमैन और इलेक्ट्रीशियन के ट्रेड में व्याख्यान दिया। कुछ समय तक नौकरी करने के बाद मुझे इसमें मजा नहीं आया और मुझे लगा कि मुझे सरकारी नौकरी करनी है और फिर मैंने सरकारी नौकरी की तैयारी शुरू कर दी। कुछ समय नौकरी और तैयारी के साथ किया लेकिन नौकरी दूर होने के कारण तैयारी पर ज्यादा ध्यान नहीं था इसलिए नौकरी छोड़ दी। करीब 1 साल तक आईटीआई में काम किया। उसी समय 2019 में नॉन सेक्रेटेरियल भर्ती आई और नौकरी छोड़कर तैयारी शुरू कर दी। पेपर अच्छा गया था और पास होने वाला था लेकिन पेपर फूटने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। फिर 2019 में पुलिस कांस्टेबल की भर्ती आई जिसमें मैंने प्रीलिम्स परीक्षा पास कर ली और मेरिट में आने के बाद फिजिकल भी पास कर लिया, लेकिन जैसे मानो भगवान ही मेरी परीक्षा लेना चाहते थे, फाइनल मेरिट में मैं 0.50 अंक से रह गया . फिर साल 2020 आया और अपने साथ वैश्विक महामारी कोरोना लेकर आया, जिससे सारी उम्मीदें धराशायी हो गईं। कोरोना काल में घर पर रहकर पिता की मदद की और तैयारी जारी रखी। कोरोना वायरस के पीछे हटने के बाद सरकारी भर्तियां शुरू हुईं। भारतीय रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट (ट्रेन ड्राइवर) की भर्ती निकली लेकिन उसमें भी 2.250 अंकों के लिए में लगातार विफल होता चला था । तो अगली बार पंचायत विभाग में भर्ती निकली जिसमें मैंने समाज कल्याण अधिकारी की परीक्षा दी जिसमें भी 5 अंकों से फेल हो गया। अब सामाजिक और आर्थिक दबाव पड़ने लगा. इतने लंबे समय तक तैयारी की और केवल असफलता ही मिली, इसलिए जब मैं उदास हो गया, तो मेरे माता-पिता और मेरे छोटे भाई ने मेरा समर्थन किया और मुझे विश्वास दिलाया कि सफलता अब बहुत करीब है, इसलिए साहसपूर्वक तैयारी करते रहो और समाज और बाहरी लोग क्या कहेंगे, यह बात याद रखेंने में अपना वख्त बरबाद मत करो और आगे बढ़ो। में पुनः आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हुआ । दोबारा सीनियर क्लर्क की परीक्षा दी और 2.275 अंकों के साथ पास हुए। कड़ी मेहनत के बावजूद किस्मत ने साथ नहीं दिया. फिर नॉन-सेक्रेटेरियल परीक्षा दी जिसमें फिर 3 अंकों से फेल हो गए। हालाँकि सफलता बहुत करीब थी, लेकिन हाथ लगती नहीं दिख रही थी। लेकिन जैसा कि एक कहावत है कि असफलता ही सफलता की कुंजी है, मैंने कड़ी मेहनत की और पुलिस भर्ती की तैयारी शुरू कर दी, और पुलिस भर्ती में पहली शारीरिक परीक्षा दी जिसमें मुझे दौड़ में 25 में से 24 अंक मिले और सभी बाधाओं को पार किया और शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की. आत्मविश्वास बढ़ा और मुख्य परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। मुख्य परीक्षा अच्छी रही और 68.850 अंक मिले. फाइनल मेरिट में नाम आ गया और मैं चाहता था कि निहत्थे पुलिस कांस्टेबल में चयन हो जाए। मुझे पोस्टिंग के तौर पर अहमदाबाद ग्रामीण जिला मिला। वर्तमान में मैं मेहसाणा में प्रशिक्षण ले रहा हूं। आपको जानकारी देकर प्रसन्नता हो रही है कि मेरे छोटे भाई रोहित कुमार चंद्रपाल शर्मा ने भी मेरे मार्गदर्शन से ही आर एंड बी विभाग में अनुभाग अधिकारी (एस.ओ.) के रूप में चयनित होकर सफलता प्राप्त की है। फिलहाल वो पाटण जिले के सिद्धपुर में भवन निर्माण विभाग में कार्यान्वित है। आने वाले भविष्य में 12000 पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती होने जा रही है जिसमें पीएसआई की भी भर्ती की जाएगी। तो अंत में मैं यही कहना चाहता हूं कि चाहे आपको कितनी भी असफलताएं मिले, आपको निराश या निराश हुए बिना सफलता मिलने तक मेहनत करते रहना चाहिए। साथ ही अगर समाज के किसी भी सदस्य को परीक्षा या अन्य किसी चीज की जरूरत होगी तो मैं मदद करने की पूरी कोशिश करूंगा।

दिल्ली : प्रकाश राजौरा द्वारा सेवाकार्यो की हुई काफी प्रशंसा

जयप्रकाश शर्मा, दिल्ली : गीरिराज धरण की कृपा और आशीर्वाद से गिरिराज सारथी परिवार द्वारा आयोजित उत्तराखंड के चारधाम यमुनोत्री, गंगोत्री,केदारनाथ, बद्रीविशाल के साथ ही एक दिन गिरिराज जी परिक्रमा यात्रा सकुशल पूरी हुई। ओमकारेश्वर स्थित ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में गंगा जल से अभिषेक करके यात्रा का समापन हुआ। समापन के अवसर पर गोपाल पंचोली द्वारा सभी यात्रियों का यात्रा में एक पारिवारिक सदभाव के साथ समापन होने पर आभार प्रकट किया गया। साथ ही कजोड नाहर्दिया(कुंडलवाले) के द्वारा उपवासी यात्रीओ के लिए फलाहार और बाकी यात्री के लिए भोजन प्रसादी का सफल आयोजन किया गया था। प्रकाश राजौरा जी द्वारा चार धाम यात्रा के लौटने के बाद गोवर्धन धरणी में समाज बन्धुऔ से मिलन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यात्रा में शामिल सभी समाजबंधुओने इस सफल आयोजन के लिए और उनके सेवाकार्य की काफी सराहना की और शुभकामनाएं प्रेषित की।

राष्ट्र के नव निर्माण में विराट योगदान देने वाले समाज के सभी शिक्षको, अध्यापको को "शिक्षक दिवस" पर

गुजरात प्रदेश संगठन

की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नाम : दिपशिखा शर्मा(बोहरा)
शिक्षक/अध्यापक : M.Sc.B.Ed, PHD(Continued)
कार्यस्थल : डिपार्टमेन्ट हेड,
Aakash BYJU'S Institute, भावनगर
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : योगेश शर्मा(बोहरा)
शिक्षक/अध्यापक(डीग्री) : B.E Mechanical
कार्यस्थल : Head of Department (Mechanical),
एशियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, वडाली, साबरकांठा
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नैना चंद्रकांत शर्मा (चौरसिया/बोट पंचोली)
शिक्षक/अध्यापक : B.com
कार्यस्थल : St.paul public school ,
Odhav , ahmedabad
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : विजयकुमार रामअवतार शर्मा(हरसोरा)
शिक्षक/अध्यापक : Bsc BEd, सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक
कार्यस्थल : पालिताना,जिला: भावनगर
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : जीतेन्द्र पंडित(मरोरा पचौरी)
शिक्षक/अध्यापक : PTC, BA(समाजशास्त्र)
कार्यस्थल : प्रायमरी स्कूल टीचर, विरमगाम,
जिला अहमदाबाद
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : सीतादेवी रविकुमार शर्मा(भांकरीवाल पंचौली)
शिक्षक : MA ,M Ed(अर्थशास्त्र)
कार्यस्थल : विवेकानंद उच्चतर उत्तर बुनियादी स्कूल,
वनकुवा . तालुका वाघोडिया वडोदरा
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

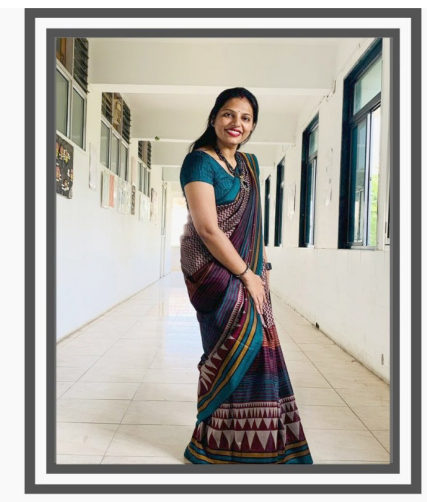

नाम : डॉ.प्रियंका नरेश शर्मा(जानावत)
शिक्षक/अध्यापक : Ph.D Medical Anatomy
कार्यस्थल : Associate Professor, GMERS
Medical College, राजपीपला, जिला नर्मदा
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : डॉ. दौलत कुमार शर्मा
शिक्षक/अध्यापक : Ph.D. , M.Tech.
कार्यस्थल : गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज गांधीनगर,
फैकल्टी के रूप में कार्यरत
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : अशोक शर्मा
शिक्षक/अध्यापक : MA.B.Ed
कार्यस्थल : विद्याभारती स्कूल, भटार, सुरत
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : निराली शर्मा(हल्दीन्या)
शिक्षक/अध्यापक : Msc in maths
कार्यस्थल : स्कूल टीचर, अंबे स्कूल,
मांजलपुर, वडोदरा
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : संजय शर्मा(बंगार)
शिक्षक/अध्यापक : M.E Mechanical
कार्यस्थल : केम्पस डायरेक्टर, NSIT
(Institute of Forensic Science and Cyber Security)
Ahmedabad.
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : काजल शर्मा(भारद्वाज)
शिक्षक/अध्यापक : पोस्ट ग्रेज्युएट टीचर(Physics)
कार्यस्थल : Baselios Public School,
Vadodara
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : कविता शर्मा(बंदावला)
शिक्षक/अध्यापक : B.com
कार्यस्थल : प्रिन्सीपाल, MSL Pre- School,
ओढव, अहमदाबाद
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : पूनम अजयकुमार शर्मा(ओजट)
शिक्षक/अध्यापक : P.T.C. B.A.
कार्यस्थल : लीमडी, तालुका झालोद,
जिला दाहोद
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : अवनी शर्मा (बुटोलिया)
शिक्षक/अध्यापक : M.A English,B.Ed
कार्यस्थल : Principal, University
Experimental School, Vadodara
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : अनुजा शर्मा (भूटोलिया)
शिक्षक/अध्यापक : M.Sc.,MBA
कार्यस्थल : Owner Cum Director, Globals
SSV School, वांच रोड, वस्त्राल, अहमदाबाद
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : पार्थ शर्मा(बंन्दावला)
शिक्षक/अध्यापक : M.Tech-Electrical
कार्यस्थल : आसिस्टन्ट प्रोफेसर, Marine
Department, Ganpat University, Mehsana
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

डॉ.काजल दिनेशभाई शर्मा(राजौरा)
शिक्षक/अध्यापक : M.com., Ph.D.
कार्यस्थल : आसिस्टन्ट प्रोफेसर,कोमर्स कोलेज,
राधनपुर, जिला पाटण
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात

नाम : पूनम किशोर शर्मा(भूरा पचोरी)
शिक्षक/अध्यापक : B.com Owner in our
pre-school
कार्यस्थल : little Angel pre-school
(vadodara)
हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज-गुजरात